

१८५२
भीमपविचारोदणविधि
भीमसेन पु ६०७
भीमन्यास

ASHA ARCHIVES 3467

क ॥ ॐ हूय गथ स्वाहा ॥ ॐ हूय गथ स्वाहा ॥ ॐ विष्णु गथ स्वाहा ॥ ॐ पावु वि
स्वाहा ॥ धूय दीय ॥ जाय स्वाहा ॥ ॐ निर्वर्णि निर्विकल्प ॥ अस्तु पावि संकुर्न
॥ ॥ गायत्रि सहाय ॥ धन लिय ॥ गय साधन याय ॥ नमः स्वाहा ॥
स ॥ वायु पात ॥ ॐ अथादि ॥ यजमानस्य धीमन्तु धीरमिवा ॥ ॐ धनं
होत्र काय दृष्टमि कलियुग विनावाहन यत्न कर्म ॥ स यत्न गय साधनानि
मिथ्य धर्माश्च ॥ इत्यादि सुब्रह्म नमः स्वाहा ॥ मूल न कर्मा ॥ गय साधन याय पुजा ॥
गगन ॥ यत्न गय साधन ॥ अस्तु कर्ण ॥ ॐ धनं स्वाहा ॥ धनं धर्म ॥ ॐ द्रौ गत्युक्ता
यनमः ॥ ॐ दक्षिणा ॥ दक्षिणा ॥ ॐ द्रौ अथावा यनमः ॥ ॐ गगनादि ॥
वायु पात ॥ ॐ द्रौ सथा जा गायनमः ॥ ॐ गय साधन ॥ ॐ गय साधन ॥ ॐ गय साधन ॥

ग ॥ ॐ द्रौ गय साधन यनमः ॥ गय साधन ॥ मधु गय साधन यनमः ॥ ॐ द्रौ गय साधन
नायनमः ॥ ॐ यत्न गय साधन ॥ अस्तु कर्ण ॥ ॐ धनं स्वाहा ॥ धनं धर्म ॥ ॐ द्रौ गत्युक्ता
यनमः ॥ ॐ दक्षिणा ॥ दक्षिणा ॥ ॐ द्रौ अथावा यनमः ॥ ॐ गगनादि ॥
वायु पात ॥ ॐ द्रौ सथा जा गायनमः ॥ ॐ गय साधन ॥ ॐ गय साधन ॥ ॐ गय साधन ॥
उपस्थितिः ॥ समाधाय ध्याय वसन ॥ स ॥ अथ गीत गीति ॥ यत्न गय साधन
संमयु मगी मधु मगी लि ॥ यत्न गय साधन ॥ अस्तु कर्ण ॥ ॐ धनं स्वाहा ॥ धनं धर्म ॥ ॐ द्रौ गत्युक्ता
यनमः ॥ ॐ दक्षिणा ॥ दक्षिणा ॥ ॐ द्रौ अथावा यनमः ॥ ॐ गगनादि ॥
वायु पात ॥ ॐ द्रौ सथा जा गायनमः ॥ ॐ गय साधन ॥ ॐ गय साधन ॥ ॐ गय साधन ॥
कावथ ॥ ॐ गय साधन ॥ ॐ गय साधन ॥ ॐ गय साधन ॥ ॐ गय साधन ॥ ॐ गय साधन ॥

पूषधूयदीय ॥ वद ॥ ॐ निवा नामासि ॥ जायस्तु ॥ ॐ आसयंति भद्राय
सर्वथा यदुत्तम ॥ निमि ॥ सर्वददय विशाय न त्वं पूया यमनमः ॥ पूय न केदि
॥ ॥ देवानि यजमानानां कावथेन ॥ ॥ यजमानाय न वसिष्ठाय
वि ॥ ॐ वाचमेतु धामि ॥ योगिन ॥ ॐ मनेक आयायगा ॥ दसिवाय ॥ ॐ
त्वमप्रमृतिः ॥ सिद्धिर्न ॥ नखमपूजा मपुयसं कावमालेसी ॥
रिपूजा योय ॥ दुष्टं वीहि नवा नूले दायकं वायावत यपूजायाय ॥
ॐ कुंभाकारिका यमि वायुमूर्कथनमः ॥ ॐ वीरुयथम ॥ दक्षवीहि ॥ ॐ
प्रहिकाय विष्णुमूर्कथनमः ॥ ॐ दक्षविष्णु ॥ वामि लाजा ॥ म (युसिमा
न ॥ ॐ कोमका विष्णु विनागाय वक्रासु मूर्कथनमः ॥ ॐ वक्रयक्र

न ॥ वीहि कथन ॥ ॐ वीरुयथम ॥ लाजा कथन ॥ ॐ स्वसिन ॥ ॥
॥ वामरुके नाथ वक्रासु निर्वृष्टी वादकिणवर्णममाज्ज्यासं माज्ज
नदिदिना वक्रं नखल कल ॥ ॥ यथेयं न ॥ ॥ ॐ दाय वायाहि
वीनय रूगानां रुद्रागय ॥ यवि ॥ नूडस्य धामसु ॥ कल ॥ सन ॥ पक
नयथ ॥ वक्र (मन पूजन ॥ ॥ नामयसि ॥ विवासन पूजन ॥ ॐ नमः ॥
वायय ॥ ॥ यजमान नयथ राजन ॥ वक्रासु मय ॥ ॥ ॥ ॥
॥ नकल ॥ ॥ ॐ अथादि ॥ यजमान सयनि ॥ ॐ अथादि ॥ पूषदान
पुननमका वक्रासु मय ॥ ॥ गत ॥ कल ॥ ॥ ॐ
वायो निथादि वायन ॥ ॥ वि ॥ ॥ ॐ अथादि ॥ ॥ ॥

निधाय ॥ उवाचार्थयुजन ॥ श्रीमलेनवायवे श्वानवायनिलाद्रुतिर्नक
 त्यसिद्धिबन्धु ॥ मरुतोद्योगिनयुवनेनिलान्द्रुतिर्नक ॥ निलाद्रुतिर्न
 यु ॥ ॥ गगायथाकर्मकावय ॥ यजमाननशानकर्म ॥ निमिच्छना
 दिश्रुतिभारुवकासपुणः ॥ श्रीवर्दि ॥ लखिभारुवथयिद्रुकायाववायुपल
 वक्राय ॥ ॥ गगद्वयान्नपानयविश्रु ॥ धन ॥ ॥ गगामुधनकन
 द्रन्यासकावयग ॥ मूलपुल ॥ अशुपसमूहकावय ॥ द्रवयमने
 पजलनयश्रुति ॥ नयमकुप ॥ धन ॥ निश्वासपुणः ॥ ययययय ॥
 निममकुप ॥ विवि ॥ कवयनन ॥ धनलेयन ॥ मूलनय ॥ नयनय
 ॥ ॥ यतद्वययादिमकुपयुजन ॥ मूलनयय ॥ धन ॥ ॥ गग

यय ॥ उंतीमश्वनायविश्रुद्रवजदहायधीमहि ॥ गगद्वयययययय
 ॥ धन ॥ ॥ धनलिकलयाहवतगयावविगलन ॥ धनययय
 ॥ अद्रुतिवियु ॥ उंतीमश्वनायविश्रुद्रवजदहायधीमहि ॥ गगद्वयययययय
 नवाय ॥ उंतीमश्वनायविश्रुद्रवजदहायधीमहि ॥ गगद्वयययययय
 वायययय ॥ वय ॥ उंतीमश्वनायविश्रुद्रवजदहायधीमहि ॥ गगद्वयययययय
 मूलनयययययय ॥ धन ॥ ॥ उंतीमश्वनायविश्रुद्रवजदहायधीमहि ॥ गगद्वयययययय
 ॥ ॥ धनययविश्रुद्रवजदहायधीमहि ॥ गगद्वयययययय
 विगकायावमूलनययय ॥ नयययय ॥ ॥ गगद्वयययययय
 ली ॥ उंतीमश्वनायविश्रुद्रवजदहायधीमहि ॥ गगद्वयययययय

[illegible][illegible]

काहाम् ॥ यथाहति ॥

वाङ्मण्डूजनं ॥ वलिहवनं दक्षिणायनं ॥

श्रीमन्नयापूक

ASHA ARCHIVES 3467

अग्निवृत्तिनिदवकायलकलगादिशुद्धादिपादानं ॥ वायवर्न
 ॥ संप्रवृत्तगुणाशनं ॥ वक्रावपुर्णवार्णदक्षिणीदत्ता ॥ ॥ गग
 ॥ संप्रवृत्तिं निष्कावयथा ॥ यजमानस्य श्रीमन्मन्त्रिणीमीमवा ॥ ॥ ग
 ॥ यतस्तत्रकायवृत्तसंक्रियिगयविगावोहृन्तयैरुक्कर्मसंप्रवृत्तिनि
 ॥ यथ'वृत्ति'इतिमुक्तमस्तु ॥ वायु ॥ उदवागानुविदति ॥ उ'आ'शु
 ॥ यत्त्वसंमति ॥ आ'सं'सा ॥ यजमाननमपुल'कत्वा'शु'व' ॥
 ॥ गग'ग'ये'दि ॥ म'पुल'पु'य'यजमाननिवसि'हृ'य' ॥ ॥ ॥
 ॥ वा'घ्रा'ण'विसर्जनं ॥ ॥ दवानि'कल'गा'नी'द'दि' ॥ व'श्रा'य' ॥
 ॥ न'विसर्जनं ॥ ॥ आ'यु'वी'क'न' ॥ कल'गा'दि'विसर्जनं ॥ ॥

उ'उदयनमस्तु ॥ क'पु'अ'भ'स्व'सि'का'य'वि'यजमाननिर्म'कु'न' ॥ क
 ॥ ल'गा'ज'ले'वा'य'न'ज'ले'ना'रि'व'क'र्य'द'न'सि'द्व'व'द'व'या'क'ट'य'म
 ॥ नि'स'रु'ण'गा'सा'दी' ॥ द'आ' ॥ ॥ द'र्य'पी'व'ला'क'न' ॥ य'रु'वि
 ॥ स'र्जनं ॥ ॥ सूर्य'सा'दि ॥ हृ'द'य'ना'त'म'ली'न' ॥ व'लि'कु'जा'व'ना
 ॥ दि'गा'म'स'सूर्य'दि'कु'य ॥ ॥ आ'वा'थ'न'को'मा'नी'या'न'कु
 ॥ वा ॥ को'मा'नी'वि'स'र्जनं ॥ स'म'य'रा'श'क'म'का'न' ॥ ॥ स'नि
 ॥ व'ह्या'ल'र'यु'जा'या'दा'व'यु'रि'का'का'य'स'क'ल'स' ॥ ॥ यून
 ॥ व'कु'था'दि'व'स'श्रा'वा'थ'न'पु'जा'या'च'क'वि'धि'व'तु ॥ ॥ ॥ नि

१ दीयदीस	॥ उं १०८ यीथि ४ वीकि ४ धूक २५
१ युमिदिनेस	॥ उं १०८ यीथि ४ वीकि ४ धूक २५
१ तीमस	॥ उं १०८ यीथि ४ वीकि ४ धूक २५
१ जेसमिस	॥ उं १०८ यीथि ४ वीकि ४ धूक २५
१ नकल	॥ उं १०८ यीथि ४ वीकि ४ धूक २५
१ सुहदव	॥ उं १०८ यीथि ४ वीकि ४ धूक २५
१ कीकीदवीस	॥ उं १०८ यीथि ४ वीकि ४ धूक २५
१ इ० भासनस	॥ उं १०८ यीथि ४ वीकि ४ धूक २५

१ देवया ॥ उं १०८ वीथिज वीकिज भूक १४
 १ देवीया ॥ उं १०८ वीथि ३८ भूक १४
 १ जूनि कुपुया ॥ उं ११ वीथि ३ वीकि ३ अं तुलि १५
 १ कलशया ॥ उं ११ वीथिज भूक १
 १ ससुलया ॥ उं ११ वीथि १३ भूक १
 १ नाउजाया ॥ उं १ वीथि
 १ कणया लया ॥ उं ८ वीथि ६
 १ मया सया ॥ उं १२ वीथि १२

१ नामया लीन ॥ उं १ वीथि ३
 १ कोमा बीस ॥ उं २ वीथि २
 १ प्रवाया ॥ उं २१ वीथि सम
 १ संधुलि ॥ उं २१ वीथि सम
 १ धंधेक का ० क जगल निकारु वजीरु मया धन उमि ८
 उं २१ वीथि सम धन या उमि या या य
 १ विधेय कमा ॥ उं २१ वीथिज वीकिज
 १ पुजा वा विधानि रु ॥ उं ४ वीथिज वीकिज
 १ यजमान वनि रु ॥ उं ४ वीथिज वीकिज

[illegible][illegible]

वृद्धिनीत्यानिमः॥ उर्ध्व उर्ध्व ॥ २ वेनें दू ल म द न को ल व ग लि नी त्या नि
 मः॥ अथ ॥ २ उं उं वी च का नि वि न ल त्या नि मः॥ उर्ध्व दृष्टे
 २ उं उं वि वा ट व य दा त्या नि मः॥ अथ दं द य को ॥ २ अ अ
 डा य दी ण णी त्या नि मः॥ नि न सि ॥ २ अ अ अ अ अ न द को मु दि
 त्या नि मः॥ मू ख म उ ले ॥ २ कं कं न व दि न म्बे नी त्या नि मः॥ द द
 वा दू मू ले ॥ २ खं खं इ ऊ धि ना वि र्ग न दा त्या नि मः॥ द द द द द
 ॥ २ नं नं वं उ ज स स त्या नि मः॥ द द म लि र्वा ॥ २ वं वं डा ण पु
 र ग म्या त्या नि मः॥ द द क क ल उ लि मु ले ॥ २ हं हं डी ण नि न ण

[illegible]

ददयादाउलिमुले ॥ २ लें लें ददयादाउलिमुले ॥ ददया
दाउलिमुले ॥ २ नें नें ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
२ थें थें ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥ २
ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
२ धें धें ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
॥ २ नें नें ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
॥ २ यें यें ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
निविद्याया निविद्याया ॥ ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥

लिं ग विद्याया ॥ ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
॥ नाली ॥ २ नें नें ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
मगं ग ॥ २ नें नें ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
जदमूर्खाया ॥ ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
नीत्यानिम ॥ ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
नम ॥ २ नें नें ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
यावधिददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥
म ॥ २ नें नें ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥ ददयादाउलिमुले ॥

वामकवाचयर्थकः ॥ २ सं सं व (१) गललजि द्वा न्यानिमः ॥ नाय
दिद द्वादा गयर्थकः ॥ २ हं हं हं सधजहं सगामिनीन्यानिमः
॥ नायादि वामयादा गयर्थकः ॥ २ लं लं कं गोवधियव किनी
न्यानिमः ॥ नायादि लिं ग गयर्थकः ॥ २ हं हं हं वीवधियव
माया न्यानिमः ॥ नायादि मुखमधुलयर्थकः ॥
॥ ति व द्वा गामले व व क लो लीमस्य न्यासः समाप्तः ॥ ॥

